मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 31, मुंबई, शनिवार, 17 मई, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE™
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

निकाय चुनाव में होगा खेला

महायुति के सामने रिकॉर्ड बचाने की चुनौती, सीटों का होगा बंटवारा

मुंबई। स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन को लेकर आए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान के बाद से अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या मनपा व जेडपी चुनाव भाजपा स्वतंत्र लड़ने के मूड में है। लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जिन मित्रदलों का सहयोग लिया गया; उन्हें ताक पर रख दिया जाएगा। नागपुर मनपा चुनाव के संदर्भ में विधानसभा चुनाव में भारी सफलता मिलने के बाद से ही भाजपा के नेता स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का वक्तव्य देते आए हैं। यहां तक कि प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी कई बार दोहराया है कि यह कार्यकताओं का चुनाव है और उनकी भावनाओं के अनुरूप ही निर्णय लिए जाएंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सीजेआई की पहली बॉल पर राणे क्लीन बोल्ड

भविष्य पर मंडराया खतरा, महायुति में मचेगी खलबली

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। 14 मई बुधवार को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद सीजेआई भूषण गवई ने अपने पहले ही फैसले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे को क्लीन बोल्ड कर दिया। सीजेआई भूषण गवई ने राणे द्वारा राजस्व मंत्री रहते लिए गए एक फैसले को निरस्त कर दिया। नारायण राणे पर आरोप है कि उन्होंने अपने करीबी बिल्डर को पुणे जिले की वन विभाग की 30 एकड़ जमीन दी थी। सीजेआई ने इस जमीन को वन विभाग को वापस कर देने का आदेश देते हुए कहा कि देशभर में ऐसे सभी मामलों की जांच होनी चाहिए जहां नेता-अफसर-बिल्डर की मिलीभगत है। सीजेआई के इस पहले फैसले से बडबोले नेता राणे को बड़ा झटका लगा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश!

लाडकी बहिन योजना के अकाउंट से करोड़ों का ट्रांजेक्शन, 3 गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जुहू पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिन्होंने महाराष्ट्र सरकार की सबसे पॉल्युलर लाडकी बहिन योजना का नाम इस्तेमाल कर सैकड़ों महिलाओं के अकाउंट खुलवाए और फिर उन अकाउंट्स को साइबर ठगों और अवैध रूप से ट्रेडिंग करने वालों को बेच दिया। इस मामले के जांच अधिकारी शरद लांडगे ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि लाडकी बहिन योजना के नाम पर अकाउंट्स खोले गये हैं और अकाउंट के बदले एक हजार रुपये दे रहे हैं। जानकारी मिलते ही पुलिस नेहरू नगर गई और लोगों के अकाउंट्स खोल रहे अविनाश काम्बले को पकड़ा और पुलिस स्टेशन लाकर उससे पूछताछ की।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

'सांप' के शिकंजे में फंसे मंत्री नितेश राणे

भारी पड़ा संजय राउत का दांव, अदालत ने जारी कर दिया वारंट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी विधायक और मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे की मुश्किलें अब बढ़ने वाली है। नितेश राणे के खिलाफ मुंबई की एक अदालत ने जमानती वारंट जारी कर दिया है। यह मामला मानहानि से जुड़ा है। 2023 में शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने नितेश राणे के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। अब इस पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने वारंट जारी किया है। मुंबई की एक अदालत ने शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत द्वारा 2023 में दर्ज कराए गए मानहानि के मामले में महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के खिलाफ बृहस्पतिवार को जमानती वारंट जारी किया। मामले की सुनवाई के अवसर पर अदालत के सामने उपस्थित नहीं हुए।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

राउत पर अपमानजनक टिप्पणी

इससे पहले भी अदालत ने एक मामले की सुनवाई के लिए अदालत में पेश न होने पर उनके खिलाफ कई वारंट जारी किए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश राणे ने मई 2023 में कथित तौर पर संजय राउत को एक सांप कहा था। उन्होंने कहा था कि वह जून तक उद्धव ठाकरे को छोड़कर (अविभाजित) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में शामिल हो जाएंगे। राज्यसभा सदस्य राउत ने मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायत दर्ज कराकर नितेश राणे के खिलाफ कथित अपमानजनक और सरासर झूठी टिप्पणी के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध किया था।

हमारी बात

एक उत्कृष्ट उदाहरण

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है। हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरूआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी। नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्त्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चर्चाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए। मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है। आशा है, उनके उत्तराधिकारी ऐसी ही विरासतों का अनुकरण करेंगे और न्यायपालिका की गरिमा को बहाल करने में सहायक बनेंगे।

जश्नै शाह सकलैन और 21 जोड़ों का दुसरा इज्तेमाई निकाह समुह शादी का जेतपुर में शानदार हुआ प्रोग्राम

राजकोट। जेतपुर में दुसरी बार हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट की जानिब से जश्नै शाह सकलैन और 21 जोड़ों का दुसरा इज्तेमाई निकाह समुह शादी का जेतपुर में शानदार हुआ प्रोग्राम। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के बरैली शरीफ के सिलसिला ए नक्श बंद के आस्ताना ए आलिया शाह शराफत मियां हुजूर और सकलैन मियां हुजूर के सज्जादानशीन हजरत पीरो मुर्शीद शाह मोहम्मद गाजी मिंया हुजूर के करम से इज्तेमाई निकाह समुह शादी के इस प्रोग्राम को अंजाम दिया गया। इस मौके पर धोराजी, जेतपुर, जुनागढ़ शहेर के कई नामी गिरामी लोगों के साथ साथ बरैली, मुंबई, सुरत, नागपुर, शहेर से कई सारे सकलैनी पीर भाई मौजूद रहे। इस समुह शादी में कुल 21 दुल्हा, की निकाह पढ़ाई गई, साथ में दुल्हा, दुल्हन के घरवालों को 50 पचास लोगों को न्योता दिया गया और साथ ही में आए हुए महेमानों को खाना खिलाया गया। सभी वोलिंटर भाईओं को पहेचान के आधार पर कुर्ता पायजामा युनिफोर्म के तौर पर दिया गया तो वहीं ख़्वातीन को चादरी हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट की तरफ से दी गई। सभी 21 दुल्हा, की निकाह के बाद प्रोग्राम के आखरी में हजरत पीरो मुर्शीद गाजी मिंया हुजूर ने ओन लाइन सोश्यल मिडिया के जरिए सभी दुल्हा, दुल्हन के लिए दुआ फरमाई और हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट के लिए भी दुआ फरमाई की जेतपुर में इज्तेमाई शादीयां आगे भी इसी तरहां होती रहे। पुरे प्रोग्राम को मुंबई से तसरीफ लाए अब्दुल अजीज भाई सांढा ने होस्ट किया। हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट के प्रेसिडेंट रइस वाड़ीवाला, सकलैनी ने हमारी चेनल से बात करते हुए बताया कि ये सब हमारे पीर ओ मुर्शीद का करम है कि यह प्रोग्राम कामयाबी के साथ सफल हुआ हम सभी महेमानों का सुख्रिया अदा करते हैं और हमारी तरफ से कीसी भी कारण कोई खामी रेह गई हो यां कुछ उंच निच हो गया हो तो हम माफी मांगते हैं। आए हुए सभी महेमानों का और निकाह पढ़ाने आए सभी ओलमा ए किराम का हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट की तरफ से शोल पहेनाकर सम्मान किया गया। समुह शादी के इस प्रोग्राम को हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया जेतपुर युनिट के सभी पीर भाईयों ने और बहेनों ने अपनी अपनी महेनत से इसे कामयाब बनाने में कामयाब हुए।

प्राइवेट स्कूलों की फीस पर कोई अंकुश नहीं !

स्कूलों को गैर-लाभकारी मॉडल पर काम करना चाहिए, लेकिन कई स्कूलों ने इस नियम का उल्लंघन किया। अप्रैल 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक अंतरिम आदेश ने शिक्षा निदेशालय (डीओई) के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें इन स्कूलों को फीस वृद्धि के लिए पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता थी। इस फैसले ने स्कूलों को मनमानी वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे अभिभावकों का गुस्सा भड़क उठा।

विद्यालय कभी ज्ञान प्राप्त करने का केन्द्र होते थे अब व्यापारिक दुकान बन गए हैं। 2025 में, दिल्ली के कई प्रमुख प्राइवेट स्कूलों ने बिना उचित अनुमति के फीस में भारी वृद्धि की, जिसके परिणामस्वरूप अभिभावकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। एक सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में भारत भर में 44% अभिभावकों ने स्कूल फीस में 50 से 80% तक की वृद्धि की शिकायत की, जबकि 8% ने इसे 80% से अधिक बताया। दिल्ली में, कुछ स्कूलों ने 2020 से 2025 तक 7% से 45% तक की वृद्धि की, जिससे वार्षिक फीस 1.4 लाख रुपये तक पहुंच गई।

दिल्ली के निजी स्कूलों में फीस वृद्धि की समस्या ने अभिभावकों, छात्रों और नीति निमार्ताओं के बीच गंभीर चिंता का विषय बन गया है। स्कूलों का यह रवैया न केवल आर्थिक बोझ को बढ़ाता है, बल्कि शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाता है। यह वृद्धि विशेष रूप से उन स्कूलों में देखी गई जो दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा रियायती दरों

पर दी गई जमीन पर संचालित होते हैं। इन स्कूलों को गैर-लाभकारी मॉडल पर काम करना चाहिए, लेकिन कई स्कूलों ने इस नियम का उल्लंघन किया। अप्रैल 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक अंतरिम आदेश ने शिक्षा निदेशालय (डीओई) के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें इन स्कूलों को फीस वृद्धि के लिए पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता थी।

इस फैसले ने स्कूलों को मनमानी वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे अभिभावकों का गुस्सा भड़क उठा। स्कूल प्रशासन अक्सर फीस वृद्धि को उचित ठहराने के लिए परिचालन घाटे, शिक्षकों के वेतन, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए सरकारी प्रतिपूर्ति में देरी का हवाला देता है। हालांकि अभिभावक और कार्यकर्ता इस तर्क को पारदर्शिता की कमी के कारण खारिज करते हैं। दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम और नियम (डीएसईएआर), 1973 के तहत सरकारी जमीन पर संचालित स्कूलों को फीस वृद्धि के लिए डीओई से अनुमति लेनी होती है। हालांकि कई स्कूलों ने उच्च न्यायालय के आदेशों का लाभ उठाकर इस आवश्यकता को दरकिनार किया। इसके अलावा डीओई की ओर से स्कूलों के वित्तीय रिकॉर्ड की नियमित जांच में देरी और लापरवाही ने समस्या को और जटिल किया। फीस वृद्धि का मुद्दा राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया है। आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी एक-दूसरे पर निष्क्रियता और निजी स्कूलों के साथ सांठगांठ का आरोप लगाते हैं। फीस वृद्धि का सबसे गहरा प्रभाव मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ा है। दिल्ली के एक अभिभावक के अनुसार उसकी दो बेटियों की स्कूल फीस हर महीने 34,000 रुपये है, जो उसकी मासिक आय का लगभग आधा हिस्सा है। इस तरह की वृद्धि ने ज्यादातर परिवारों को वित्तीय तनाव में डाल दिया है। इसके अलावा, स्कूलों ने उन छात्रों को परेशान करना शुरू कर दिया, जिनके अभिभावकों ने बढ़ी हुई फीस का भुगतान करने से इनकार किया। कुछ स्कूलों में तो बच्चों को लाइब्रेरी में अलग-थलग कर दिया गया। कैंटीन तक पहुंच से वंचित कर दिया गया और सहपाठियों के साथ बातचीत करने से भी रोका गया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसे ह्लअमानवीय और शर्मनाकह्व करार दिया और स्कूलों को शिक्षा को ह्लपैसे कमाने की मशीनह्व के रूप में उपयोग करने के लिए स्कूल संचालकों को फटकार भी लगाई। इस तरह की हरकतों का बच्चों पर भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बहुत जल्द मालेगांव को मिलेगी एक डिग्री कॉलेज

ऑल इंडिया मेनम जमात फेडरेशन डिग्री कॉलेज की जमीन का रजिस्ट्रेशन हुआ मुकम्मल

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मालेगांव। मालेगांव की सरजमीं पर ऑल इंडिया मेनम जमात फेडरेशन डिग्री कॉलेज के लिए जो जमीन ली गई है आज तारीख 14 में 2025 को इस जमीन का रजिस्ट्रेशन हुआ मुकम्मल।

आपस में लड़ना छोड़ो इन से कुछ करना सिखो। निय्यत साफ मंजिल आसान इसे केहते हैं काम। रजिस्ट्रेशन के बाद मालेगांव के रजिस्ट्रार ऑफीसर संतोष वाघ ने मालेगांव में कॉलेज बनाए जाने पर ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर और सभी डेलिगेशन को गुलदस्ता देकर विशेष रूप से सम्मानित किया। इस मौके पर ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर, जनरल सेक्रेटरी अब्दुल अजीज भाई मच्छीवाला, युथ विंग चेयरमैन इमरान फ्रुटवाला, जोइंट सेक्रेटरी युसुफ भाई मलकानी, औरंगाबाद झोनल सेक्रेटरी इल्यास भाई डांगरा, समस्त मेमन जमात मालेगांव के प्रेसिडेंट शरीफ भाई मेमन, सेक्रेटरी साजीद भाई भुरा और समस्त मेमन जमात मालेगांव के जिम्मेदारान की मौजूदगी में रजिस्ट्रार ऑफीस मे रजिस्ट्रेशन हुआ मुकम्मल। साथ ही साथ इस मौके पर समस्त मेमन जमात जलगांव के प्रेसिडेंट कादर भाई टिक्की, सेक्रेटरी आशीफ भाई विछी, नईम बेगावाला, भी मौजूद रहे। आए हुए ऑल इंडिया मेनम जमात फेडरेशन के सभी डेलिगेशन ने मालेगांव के रजिस्ट्रार ऑफीस पहूंचे वहां जमीन के डोक्युमेंट की रजिस्ट्रेशन हुआ बाद में काफला कॉलेज मैदान में पहूंचा जहां सेक्रेटरी अब्दुल अजीज भाई मच्छीवाला के हाथों से बेनर की रिबीन काट कर जमीन का इनोग्रेशन किया गया। और दुआ की गई। अब बहुत जल्द मालेगांव की सरजमीं पर ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की एक शानदार डिग्री कॉलेज यहां बनकर सामने आएगी और सभी कॉम्युनिटी बच्चे इसका फायदा उठा सकते हैं।

कडेगांव प्रांताधिकारी से टेम्बू इंजीनियर राजन रेड्डीयार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के लिये पानी संघर्ष समिति ने ज्ञापन सौंपा

तहसील कडेगांव। झूठे लिखित आश्वासन देकर किसानों को धोखा देने के मामले में जांच पड़ताल कर टेंभू योजना के वरिष्ठ अभियंता राजन रेड्डीयार के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। इस संबंध में 30 मई 2025 को पानी संघर्ष समिति पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन करेगी, ऐसा जी डी बापू लाड के विचारक और उत्तराधिकारी किरण तात्या लाड और पानी संघर्ष समिति के अध्यक्ष डी.एस. देशमुख ने कहा। उनके और पानी संघर्ष समिति द्वारा कडेगांव प्रांतीय अधिकारी रणजीत सिंह भोसले, तहसीलदार अजीत शेलार और पुलिस निरीक्षक संग्राम शेवाळे को एक ज्ञापन सौंपा गया। बयान में डी एस देशमुख ने कहा कि 2018 से हम टेंभू योजना से पानी पाने के लिए पानी संघर्ष समिति की ओर से भूख हड़ताल, रस्ता रोको आंदोलन और जल समाधि सहित कई विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस संबंध में टेंभू कार्यालय ने काम पूरा किए बिना केवल लिखित झूठे वादे किए। हम लोग अगस्त 2024 में टेंभू योजना के कई कार्यों को पूरा करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। टेंभू के वरिष्ठ अभियंता राजन रेड्डीयार और मुख्य अभियंता गुनाले साहब के लिखित आश्वासन के बाद पानी संघर्ष समिति ने आंदोलन स्थगित कर दिया। उस लिखित पत्र में कहा गया था कि कडेगांव और गायकवाड़ तालाब, चांद सुर्वे तालाब में बंद पाइप लाइन के जरिए पानी उपलब्ध रहेगा, सुरली और कामथी में यह आवर्तन सर्किट को अतिरिक्त हॉर्सपावर पंपों का उपयोग करके एक साथ शुरू किया जाएगा। इन कार्यों और शेष कार्यों को 2024 से 2025 तक के जीवन चक्र सूची में शामिल किया गया है, और यह लिखा गया है कि इस योजना का पानी 2025 की आने वाली गर्मियों के मौसम में कडेगांव तालाब में उपलब्ध होगा। साथ ही, जब हम कई बार मिले, तो राजन रेड्डीयार ने झूठे वादे किए कि वे काम करेंगे और काम हो जाएगा। लेकिन कोई काम शुरू नहीं हुआ और किसानों के साथ घोर धोखा किया गया।गर्मी के मौसम में कडेगांव शहरी क्षेत्र में टेंभू योजना से पानी नहीं मिलने से फसलें खतरे में हैं। किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है और वे आर्थिक नुकसान उठा रहे हैं। टेंभू इंजीनियर राजन रेड्डीयार ने टेंभू परियोजना के लिए 3,500 करोड़ रुपये का कार्य पूरा किया है। कई कार्य घटिया गुणवत्ता के हैं। इसमें भ्रष्टाचार है. इसके अलावा, राजन रेड्डीयार टेंभू इंजीनियर 8 वर्षों से एक ही स्थान पर क्यों हैं? उनका बॉस कौन है? हालांकि, उनके खराब प्रदर्शन और भ्रष्टाचार की लेखा-जोखा की जांच होनी चाहिए तथा पिछले आठ वर्षों से पानी संघर्ष समिति और किसानों से किए गए झूठे वादों की गहन जांच कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। यदि हमें इस पर न्याय नहीं मिला तो 5 जून 2025 को जनहित के लिए हमें भूमि समाधि लेने की अनुमति दी जाए।

इसी तरह कडेगांव तहसील में बिजली जाने की समस्या हैं, महावितरण कंपनी के पास 40 साल पुराने डीपी तार के खंभे हैं और उन्हें नए लगाए जाने चाहिए। ज्ञापन में यह मांग की गई है। पिछले दो वर्षों में कडेगांव क्षेत्र में बिजली के करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इस संबंध में महावितरण कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस अवसर पर पानी संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु वरुडे, पदाधिकारी सिराज पटेल, संजय तडसरे, जीवन करकटे, कुंडलिक एडके, शेतकरी संघटना के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र माने, पत्रकार संदेश जाधव, राजू घोडके, नवनाथ काकडे, सोमनाथ पवार, संजय मदने, नितिन मदने, भाऊसाहेब यादव, प्रवीण करडे आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

निकाय चुनाव में होगा खेला

भाजपा के आलानेताओं के वक्तव्यों से विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भाजपा का जी-जान से साथ देने वाली पार्टी राकां अजित पवार और शिंदे शिवसेना के स्थानीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखा जा रहा है। वे बीजेपी से गठबंधन धर्म का पालन करने की अपील भी कर रहे हैं। साथ ही चेतावनी भी दे रहे हैं कि अगर उनके साथ धोखा किया गया तो वे हर सीट पर उम्मीदवार उतारकर भाजपा उम्मीदवारों की राह का रोड़ा बनेंगे। मनपा नागपुर में 15 वर्षों तक लगातार भाजपा की सत्त पूर्ण बहुमत से रही है। लोस, विस चुनाव की तगड़ी जीत औ देश में बदले हुए वातावरण का लाभ बीजेपी के मिलने की संभावना अधिक है। यही कारण है कि भाजपा के स्थानीय नेत व पदाधिकारी किसी भी पार्टी को साथ में नहीं लेन चाहते। वहीं महायुति में शामिल घटक दल राक अजित पवार पार्टी की ओर से 40 सीटों की मांग की ज रही है तो शिंदे सेना भी 20 सीटों की मांग कर रही है। बीजेपी नेताओं की ओर से जो माहौल तैयार किया ज रहा है उससे यह पक्का समझा जा रहा है कि मनपा चुनाव में वह अपने सहयोगी दलों को डच्चु देकर अपने दम पर सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। जिले में भाजपा की स्थिति सिटी से कुछ अलग है। वर्ष 2020 के जिला परिषद चुनाव में भाजपा को कांग्रेस ने जोरदार पटकनी देते हुए पूर्ण बहुमत से कब्जा कर लिया था। 58 सदस्यों वाली जेडपी में भाजपा 14 सीटों पर ही सिमट गई थी। इसलिए जिला परिषद में अपनी वापसी के लिए बीजेपी अपने सहयोगी दलों राकां व शिंदे सेना के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ेगी, यह संभावना अधिक है। इसका कारण यह भी है कि शिंदे सेना से विधायक बने राज्य मंत्री आशीष जायसवाल रामटेक, मौदा, सावनेर आदि क्षेत्र में उम्मीदवार देंगे। वहीं काटोल, हिंगना सहित कुछ सर्कल में राकां अजित पवार गुट अपने उम्मीदवार जरूर उतारेगा। समझा जा रहा है कि जेडपी में वापसी के लिए तीनों दल एकजुट होकर लड़ेंगे, इसकी पूरी संभावना है।

साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश!

पूछताछ में काम्बले ने बताया कि वो विरार का रहने वाला है और आठवीं तक पढ़ाई की है। काम्बले ने फूड डिलीवरी का काम करता है। इसी दौरान उसकी मुलाकात रितेश जोशी नाम के शख्स से हुई जिसने उसे बताया कि उसे लोगों के अकाउंट्स खोलने है। जिसके लिए उसे प्रति बैंक अकाउंट 5 हजार रुपये मिलेंगे। उस 5 हजार रुपये में से एक हजार रुपये वो उन्हें देता था जिनके नाम पर अकाउंट खोला जाता था। आरोपी ने आगे बताया कि उसने खुद के नाम से 13 बैंक में अकाउंट्स खुलवाए हैं उसमें से 3 अकाउंट्स का ही इस्तेमाल वो खुद करता है। उसने बाकी 10 अकाउंट्स बेच दिया इसी तरह किसी और को बेच दिए हैं। काम्बले के बयान के आधार पर पुलिस ने रितेश की पत्नी फाल्गुनी को और काम्बले की प्रेमिका श्रुति राउत को गिरफ्तार कर लिया। पत्नी की गिरफ्तारी की बात का पता चलते ही रितेश कहीं फरार हो गया। फिलहाल पुलिस उसकी और उसके 2 अन्य साथियों की तलाश में है।लांडगे ने बताया कि जांच के दौरान अब तक उन्होंने पिछले पांच महीने में खोले गए बैंक अकाउंट्स की जानकारी निकाली और 104 बैंक अकाउंट्स को फ्रिज किया जिसमें उन्हें 19 लाख 43 हजार रुपये मौजूद थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जांच में पता चला कि आरोपी पिछले एक साल से ज्यादा समय से झुग्गी झोपड़ियों में जाकर लाडकी बहिन योजना के नाम पर लोगों के बैंक अकाउंट खुलवाया करते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि अबतक उन्होंने करीबन 1000 बैंक अकाउंट्स खुलवाए होंगे।

सीजेआई की पहली बॉल पर राणे क्लीन बोल्ड

अब महायुति में भी राजनीतिक बवाल शुरू होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इस फैसले से राणे के साथ-साथ उनके बेटे व कैबिनेट मंत्री नितेश राणे के भविष्य पर संकट मंडराने लगा है। विपक्ष में खास तौर से उद्धव ठाकरे की पार्टी को राणे पर आक्रमण करने का एक बड़ा मुद्दा हाथ लग गया है। मुख्य न्यायाधीश ने राजनेताओं और बिल्डरों के नेक्सस को लेकर भी कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा पुणे में 30 एकड़ जमीन एक बिल्डर को देने का फैसला इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि किस तरह राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी निजी बिल्डरों के साथ मिलकर काम करते हैं। जुलाई से अगस्त 1998 के बीच महाराष्ट्र सरकार ने जिस तेज गति से भूमि उपयोग में परिवर्तन किया, उससे पता चलता है कि तत्कालीन राजस्व मंत्री इसमें शामिल थे।सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह जांच करने का निर्देश भी दिया कि क्या किसी निजी पक्ष को गैर-वनीय गतिविधियों के लिए वन भूमि आवंटित की गई है।

'सांप' के शिकंजे में फंसे मंत्री नितेश राणे

इसलिए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (मझगांव कोर्ट) आरती कुलकर्णी ने नितेश राणे के अदालत में पेश न होने पर वारंट जारी किया। वारंट जारी करने के बाद रिपोर्ट के लिए मामले की सुनवाई दो जून तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह पहली बार नहीं है, जब मंत्री नितेश राणे के खिलाफ वारंट जारी किया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के खिलाफ यह एक महीने में दूसरा वारंट है।

खबर संक्षेप

नगालैंड में किसानों के लिए 380 करोड़ देंगे

कोहिमा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगालैंड के कृषि क्षेत्र को बड़ा

प्रोत्साहन देते हुए राज्य के किसानों के कल्याण के लिए 380 करोड़ की सहायता राशि की घोषणा की है। यह घोषणा पेरेन जिले के जलुकी स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज में प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक खंड और किसान मेले के उद्घाटन पर की।

छात्राओं से छेड़छाड़ में 'प्रोफेसर' गिरफ्तार

देहरादून। रूड़की में राजकीय डिग्री कॉलेज में 12 छात्राओं के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के

आरोप में 55 वर्षीय एक सहायक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि डॉ. अब्दुल अलीम असांरी ने गुरुवार दोपहर बीएससी की प्रायोगिक परीक्षा के मौखिक परीक्षा के दौरान छात्राओं से गंदी हरकत की।

पंजाबी म्यूजिक प्रोड्यूसर के घर पर फायरिंग

अमृतसर। फेमस पंजाब म्यूजिक प्रोड्यूसर पुष्पिंदर धालीवाल उर्फ पिंकी धालीवाल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि गुरुवार रात को कुछ बदमाशों ने उनके घर के बाहर फायरिंग की है। घर के बाहर कुछ बदमाशों ने 6 से 7 राउंड फायर किए हैं।

दिल्ली में प्रमुख व्यापारी नेताओं का राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में ऐलान

तुर्किये व अजरबैजान को पाक से 'दोस्ती की मार', आतंक समर्थकों से नहीं करेंगे व्यापार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सम्मेलन में देशभर से आए 125 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों के पूर्ण बहिष्कार का सर्वसम्मति से ऐलान किया। कैट के महासचिव एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय दोनों देशों द्वारा हाल ही में पाकिस्तान के समर्थन में दिए गए बयानों के विरोध में लिया गया है। व्यापारी नेताओं ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी ग्राउंड हैंडलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्किये और अजरबैजान को भारत में बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है। सम्मेलन में व्यापारियों ने तुर्किये व अजरबैजान से व्यापार बहिष्कार का संकल्प लिया है।

दोनों देशों का किया जाएगा बॉयकॉट

पहलगाम हमले के बाद व्यापारियों में फूटा **आक्रोश**

सम्मेलन में देशभर से आए 125 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने व्यापारिक संबंधों का किया बहिष्कार

भारत विरोधी नीतियों के चलते निर्णय लिया

सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक संकल्प लिया गया कि भारत का व्यापारिक समुदाय तुर्किये और अजरबैजान के साथ हर प्रकार के व्यापार एवं व्यावसायिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करेगा। व्यापारियों ने कहा कि इन देशों की भारत विरोधी नीतियों के चलते यह निर्णय लिया गया है। चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मौजूद रहीं। कैट का कहना है कि जो भी देश के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है।

अब दोनों देशों को अरबों-खरबों का नुकसान होगा

खंडेलवाल ने बताया कि अप्रैल 2024 से लेकर फरवरी 2025 के अप्रैल के बीच भारत का तुर्किये से निर्यात 5.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 6.65 अरब अमेरिकी डॉलर था, जबकि आयात 2.84 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

सभी तरह के आयात निर्यात बंद करेंगे: भरतिया

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि भारत से तुर्किये को रिफाइंड पेट्रोलियम, मोटर व्हीकल्स और पार्ट्स, स्टील, कैमिकल्स, दवाएं, कीमती पत्थर और वस्त्र सहित कई प्रमुख वस्तुएं निर्यात होती हैं, जबकि तुर्किये से भारत को कच्चा पेट्रोलियम, मशीनरी, मार्बल, गोल्ड, फल, प्लास्टिक और वस्त्र आयात होते हैं। भारत से अजरबैजान को तंबाकू, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाएं, सिरेमिक उत्पाद, अनाज आदि निर्यात होते हैं जबकि अजरबैजान से भारत को प्रमुख रूप से खनिज तेल, केमिकल्स, कच्ची खालें, एल्यूमिनियम और कॉटन आदि आयात होते हैं।

जीजेसी ने भी किया विरोध

दोनों देशों के साथ रत्न व आभूषण व्यापार बंद करें

अखिल भारतीय रत्न व आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने उद्योग से 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रति समर्थन दिखाने के लिए तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक लेनदेन निलंबित करने की अपील की है। जीजेसी ने एक बयान में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से यह अपील की है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को दिए गए सार्वजनिक समर्थन के बाद यह कदम उठाया गया है।

स्वदेशी जागरण मंच ने पोस्टर फाड़े, नारेबाजी की

तुर्किये-अजरबैजान से व्यापार नहीं करने का ऐलान

दिल्ली में स्वदेशी जागरण मंच के नेतृत्व में तुर्किये के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति एर्दोगन के पोस्टर फाड़े और तुर्की के पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देने के खिलाफ नारेबाजी की। अब भारत ने तुर्किये के हथियारों और उत्पादों का बॉयकॉट करने का प्लान बना लिया है। स्वदेशी जागरण मंच ने भी तुर्किये के आर्थिक प्रतिबंध, उड़ान प्रतिबंध और पर्यटन बहिष्कार का आह्वान किया है। मंच ने कहा कि चीन के बाद पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाले दूसरे बड़े देश तुर्किये ने पाक की युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। सबसे परेशान करने वाली घटनाओं में से एक है कि उसने 1.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत पाकिस्तान को 'मिल जेम' श्रेणी के युद्धपोत दिए हैं, जिससे पाकिस्तान की नौसेना की हमला करने की क्षमता मजबूत हुई है।

तुर्किये ने आतंकी देश को बढ़ावा दिया

मंच इस अपवित्र गठबंधन की कड़ी निंदा करता है। यह रक्षा सहयोग पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस को बढ़ावा देता है। तुर्किये का समर्थन प्रत्यक्ष मिलीभगत कहा जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि तुर्किये ने आतंकी देश पाकिस्तान को बढ़ावा दिया है।

चिदंबरम का इंडी अलायंस पर बड़ा बयान

खत्म होने के कगार पर गठबंधन, भाजपा एकजुट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने और कांग्रेस के 99 सीटें मिलने के पीछे इंडिया अलायंस को बड़ा कारण माना गया। राजनीतिक विश्लेषक ही नहीं कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने भी माना कि पार्टी को गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने से फायदा हुआ है। अब कांग्रेस बिहार में भी सहयोगी की भूमिका के लिए तैयार है और आरजेडी बड़े रोल में है।

भले ही इंडिया गठबंधन की एकजुटता का दावा कांग्रेस और विपक्षी दल कर रहे हों, लेकिन खुद कांग्रेस इससे इत्तफाक रखते नजर नहीं रखती। पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने इस बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मैं खुद निश्चित तौर पर नहीं कह सकता हूं कि इंडिया अलायंस का भविष्य बहुत उज्ज्वल नजर नहीं आ रहा है। यह बयान भाजपा के लिए निशाना साधने का एक और अवसर जरूर बन गया है।

इंडी में बिखराव संभव

चिदंबरम के बयान के पीछे के समीकरणों और अवसरों को टटोला जाए, तो बात काफी हद तक ठीक भी लगती है। इस साल बिहार में आरजेडी और कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। चिदंबरम ने इंडिया अलायंस में मुद्दों पर सहमति नहीं बनने और बिखराव को लेकर अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन एक बहुत मजबूत मशीनरी के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। मेरा अपना अनुभव और इतिहास के अपने अध्ययन के आधार पर कह सकता हूं कि भाजपा जितना संगठन के तौर पर मजबूत कोई और राजनीतिक दल नहीं है। यह एक मशीन के पीछे दूसरी मशीन है और यही दोनों मशीनें भारत की सभी सांस्थानिक मशीनरी को नियंत्रित करती हैं।

तमिलनाडु, बंगाल में गठबंधन असंभव

बंगाल में ममता बेनर्जी किसी भी सूरत में इंडिया गठबंधन के साथ समझौता करने के मूड में नहीं हैं। भाजपा की संगठनात्मक क्षमता में पिछले डेढ़ दशक में जबरदस्त उभार देखने को मिला है। पार्टी ने बंगाल और तमिलनाडु में भी अपना सक्रिय संगठन बनाया है। संगठन के साथ ही जीतने वाले कैंडिडेट को अपने दल में शामिल करना हो या फिर सहयोगियों से गठबंधन करना हो, पार्टी हाई कमान तत्परता से फैसले लेती है। तमिलनाडु में एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन हो चुका है और बंगाल में तूफानी प्रचार का दौर जारी है। बंगाल में दीदी को मनाना टेढ़ी खीर है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार ने जारी किए आंकड़े

निर्यात में कृषि, औषधि, इलेक्ट्रॉनिक व इंजीनियरिंग की 50% से अधिक हिस्सेदारी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के वस्तु निर्यात में वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि, औषधि, इलेक्ट्रॉनिक और इंजीनियरिंग सामान की कुल हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। यह विनिर्माण और मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच विविध क्षेत्रों में देश की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के 437.42 अरब डॉलर के निर्यात में इंजीनियरिंग वस्तुओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत रही। कृषि, औषधि और इलेक्ट्रॉनिक सामान का योगदान क्रमशः 11.85 प्रतिशत, 6.96 प्रतिशत और 8.82 प्रतिशत रहा।

इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निर्यात वृद्धि 29.12 अरब डॉलर

इलेक्ट्रॉनिक सामान क्षेत्र में सबसे अधिक 32.46 प्रतिशत की निर्यात वृद्धि दर्ज की गई जो 2023-24 में 29.12 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 38.58 अरब डॉलर हो गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 23.6 अरब डॉलर और 2021-22 में 15.7 अरब डॉलर था।

भारत दुनिया का सातवां बड़ा कॉफी उत्पादक

भारत, दुनिया में सातवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक देश है जो इटली, रूस, जर्मनी, यूएई, बेल्जियम और अमेरिका को इनका निर्यात करता है। इन देशों को मुख्य तौर पर रोबस्टा कॉफी का निर्यात किया जाता है। इसी तरह, 2024-25 में तंबाकू निर्यात 1.98 अरब डॉलर रहा, जो 2023-24 में 1.45 अरब डॉलर था। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक है, जिसके प्रमुख निर्यात गंतव्यों में यूएई, बेल्जियम, इंडोनेशिया, मिस्र, अमेरिका और तुर्किए शामिल हैं।

दवाएं व औषधि 200 देशों तक पहुंच रही

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की दवाएं एवं औषधि अब 200 से अधिक देशों तक पहुंच रही हैं। इसका निर्यात 2014-15 से लगातार बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र में मसालों, कॉफी, चाय, तंबाकू, चावल, फल और सब्जियों तथा समुद्री उत्पाद में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की गई। 2023-24 में 4.25 अरब डॉलर से 2024-25 में मसालों का निर्यात मामूली रूप से बढ़कर 4.45 अरब डॉलर हो गया।

इंजीनियरिंग का निर्यात 100 अरब डॉलर से अधिक

इंजीनियरिंग सामानों के लिए मुख्य निर्यात गंतव्य अमेरिका, यूएई, सऊदी अरब, ब्रिटेन और जर्मनी रहे। वित्त वर्ष 2014-15 से 2020-21 तक इस क्षेत्र में निर्यात 73-83 अरब डॉलर के बीच रहा। 2021-22 में यह बढ़कर 112.2 अरब डॉलर हो गया था और तब से 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक बना हुआ है।

चावल निर्यात 12.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

भारत का चावल निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 12.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में 10.4 अरब डॉलर था। इससे देश लगभग 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष वैश्विक निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। गंतव्यों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, यूएई, अमेरिका और यमन शामिल थे।

फलों व सब्जियों का निर्यात बढ़ा

फलों और सब्जियों का निर्यात 2023-24 में 3.7 अरब डॉलर से बढ़कर 3.9 अरब डॉलर हो गया। भारत ने दो श्रेणियों के तहत अंगूर, अनार, आम, केले, संतरे, प्याज, आलू, टमाटर, मिश्रित सब्जियां और हरी मिर्च का निर्यात किया। बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, नेपाल और मलेशिया सबसे बड़े आयातक में शामिल थे।

शशि थरूर को मोदी सरकार देने जा रही अहम जिम्मेदारी, कांग्रेस ने दिलाई थी 'लक्ष्मण रेखा' की याद

नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर पार्टी लाइन के खिलाफ दिए गए बयानों के चलते कांग्रेस में निशाने पर हैं। इस बीच, केंद्र की मोदी सरकार थरूर को अहम जिम्मेदारी देने जा रही है। दरअसल, सरकार ने आतंकवाद पर पाकिस्तान की सच्चाई से दुनियाभर को रूबरू करवाने की योजना बनाई है। इसके लिए वह थरूर को अहम भूमिका देने की तैयारी में है। पिछले दिनों कांग्रेस की बैठक के बाद सूत्रों ने बताया था कि भारत और पाकिस्तान के मुद्दे पर अपने बयानों से शशि थरूर ने लक्ष्मण रेखा लांघ दी है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मामलों पर संसदीय पैनल के प्रमुख शशि थरूर को बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी देने जा रही है। इसके लिए सरकार ने थरूर से संपर्क भी किया है। सूत्रों ने बताया कि थरूर भी चाहते हैं कि वे इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करें और खासतौर पर अमेरिका में तो जरूर करें। वह विदेश मामलों की

स्थायी कमेटी के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से कहा है कि इसके लिए सरकार को पहले कांग्रेस पार्टी से संपर्क करके इसपर में सलाह लेनी होगी। इसमें कई प्रतिनिधिमंडल बनाए जाएंगे, जो विदेश का दौरा करके आतंकवाद पर दूसरे देशों के सामने पाकिस्तान की पोल खोलेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में पांच से छह सांसद हो सकते हैं। इसमें एक विदेश मंत्रालय का भी एक प्रतिनिधि और एक सरकारी अफसर होगा। सरकार ने सांसदों से बता भी दिया है कि वह यह देख लें कि उनके पास पासपोर्ट और विदेश की यात्रा करने के लिए जरूरी कागजात पहले से उपलब्ध हों। इस यात्रा का समन्वय विदेश मंत्रालय करने जा रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल 22 मई के आसपास रवाना हो सकता है और फिर अगले महीने तीन-चार जून तक वापस आएगा। सरकार ने इसमें विभिन्न दलों के सांसदों को भेजने जा रही है। कांग्रेस के मनीष तिवारी, अमर सिंह, शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी, बीजेपी के समिक भट्टाचार्य, बीजेडी के सस्मित पात्रा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, एनसीपी-शरद पवार गुट की सुप्रिया सुले समेत कई अन्य सांसदों के नाम शामिल हैं।

कैमिकल दवाइयां करेंगी सेहत खराब, इन घरेलू चीजों से मच्छरों को रखें दूर

बरसात का मौसम आते ही मच्छरों का आंतक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इनके काटने से डेंगू, मलेरियां जैसे बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है। मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लोग कई तरह की कैमिक्ल युक्त दवाइयों को अपने शरीर पर लगाते हैं। इनसे सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने लगता हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू चीजों का मिश्रण बनाकर लगा सकते हैं। इन चीजों को मिलाकर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे। दूसरा इनका कोई साइड-इफैक्ट भी नहीं होगा।

तो आइए जानते हैं वह कौन सी होममेड चीजें है जो मच्छरों को आपके पास नहीं आने देगा।

1. लौंग और नारियल तेल

मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लौंग और नारियल तेल मिक्स करके अपने शरीर पर लगाएं। ऐसा करने से एक भी मच्छर आपके करीब नही आएगा क्योंकि मच्छरों को इसकी स्मैल बिल्कुल भी पसंद नहीं आती।

2. नारियल तेल

नीम और नारियल तेल को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को शरीर पर लगाएं। इसको लगाने से मच्छर कम से कम 8 घंटे तक आपके पास नहीं आएंगे।

3. नींबू

नींबू और नीलगिरी भी मच्छरों को हमारे आस-पास नहीं आने देता। एक बर्तन में बराबर मात्रा में नींबू का रस और नीलगिरी मिलाकर एक मिश्रण तैयार कर लें। इसको घर से बाहर निकलते समय या फिर रात को अपने शरीर पर लगा लें।

4. लहसुन

लहसुन की बदबू भी मच्छरों को बिल्कुल पसंद नही होती। लहसुन को पीसकर पानी में उबाल लें। अगर आपको इसकी बदबू से कोई परेशानी ना हो तो आप इसको अपने ऊपर स्प्रे भी कर सकते हैं।

5. नीम का तेल

मच्छर बाहर भगाने के लिए नीम का तेल घर के आसपास छिड़क दें। आप चाहें को इसको अपने शरीर पर भी लगा सकते हैं। इससे मच्छर भाग जाएंगे।

6. पुदीना

पुदीना भी मच्छरों को आपके आस-पास नहीं आने देता। पुदीने को पीसकर इसका रस निकाल लें। इसे शरीर पर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे।

अच्छे शौक से नहीं बनेंगे बुढ़ापे में भुलक्कड़, डिमेंशिया का खतरा भी होगा कम

अगर आप बुढ़ापे में भूलने की बीमारी से परेशान होना नहीं चाहते तो अभी से ही कुछ अच्छे शौक पालना शुरू कर दीजिए। वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया है कि जवानी में किताबें पढ़ना, खेलना और आपसी मेलजोल की आदतों से बुढ़ापे में भी दिमाग शक्तिशाली बना रहता है। इससे डिमेंशिया का जोखिम भी कम होता है। ब्रिटेन के कैमिब्रज विश्वविद्यालय के अध्धययन में पाया गया कि उम्र के साथ-साथ दिमाग का आकार भी छोटा होता जाता है लेकिन कुछ लोगों की स्मरण शक्ति और आईक्यू उम्र बढ़ने के बावजूद भी अच्छी बनी रहती है। शोधकत्ताओं का मानना है कि युवावस्था में दिमाग को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने से वह आगे भी लचीला बना रहता है। 'न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एजिंग जर्नल' में प्रकाशित इस अध्ययन से जुड़े डॉक्टर डेनिस चान का कहना है कि हमारा दिमाग कुछ हार्डवेयर के साथ ही शुरूआत करता है लेकिन इसे ज्यादा अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। इसे संज्ञानात्मक रिजर्व कहा जाता है। उनका कहना है कि 35 से 65 साल क बीच आप जो कुछ भी करते हैं, उससे 65 की उम्र के बाद डिमेंशिया का खतरा कम या ज्यादा होता है। शोधकताओं ने 66 से 88 साल की उम्र मके 205 लोगों के दिमाग का एम.आर.आई किया।

वैक्सिंग के दर्द को कम करने के लिए अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

शरीर के अनचाहे बालों से निजात पाने के लिए लड़कियां समय-समय पर वैक्सिंग का सहारा लेती है जो काफी मशहूर ट्रीटमेंट है। वैक्सिंग से न केवल अनचाहे बाल बल्कि डेड स्किन व टैनिंग भी निकल जाती है। अधिकतर लड़कियां वैक्सिंग के दौरान होने वाले दर्द के चलते इस ट्रीटमेंट को करवाने से बचती है। जब किसी पार्टी में शॉर्ट ड्रैस या कट स्लीव्स वाली ड्रैस पहननी हो तो अक्सर शर्मिंदी का सामना करना पड़ जाता है। अगर आप भी दर्द से बचने के लिए वैक्सिंग करवाने से बचती है तो परेशान न हो। आज हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताएंगे जिससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।

1. वैक्सिंग करवाने से पहले गुनगुने पानी से नहाएं। इससे स्किन पर मौजूद बाल सॉफ्ट और स्किन के पोर्स खुल जाएंगे। शॉवर लेने के बाद वैक्सिंग करने से दर्द भी कम होगा।
2. वैक्सिंग के बाद हमेशा साफ व लूज फिटिंग वाले कपड़े पहनने। ध्यान रखें कि कपड़े हमेशा कॉटन के हो क्योंकि इससे जलन कम होगी और वैक्सिंग स्किन फ्रेश रहेगी।
3. हमेशा वैक्सिंग लगाने के बाद वैक्स स्ट्राइप को बालों की ग्रोथ के विपरीत खींचे इससे दर्द कम होगा।
4. सुनने में थोड़ा अजीब है लेकिन वैक्सिंग करवाते समय हमेशा छोटी-छोटी सांसे लें। इससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
5. वैक्सिंग से पहले अपनी डेड स्किन को स्क्रबिंग के जरिए निकालें। इससे स्किन एक्सफोलिए होगी और वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
6. वैक्सिंग के दर्द से बचना चाहते है तो पहले बॉडी को अच्छे से स्ट्रेच करें। इससे वैक्स के दौरान दर्द कम होगा।
7. अक्सर महिलाएं वैक्स करवाने से पहले कॉफी व एल्कोहल लेने की गलती कर देती है जो बिल्कुल गलत है। दरअसल, इन्हें पीने से स्किन ज्यादा सेंसटिव हो जाती है और दर्द ज्यादा होता हैं।
8. कई बार क्या होती है कि महिलाएं वैक्सिंग के बजाए शेविंग का सहारा लेती है। बाद में वैक्सिंग करवाने से दर्द ज्यादा होता है।
9. शरीर के सेंसटिव हिस्से जैसे पलकों, नाक व आईब्रो पर वैक्स न करें क्योंकि यहां की स्किन काफी संवेदनशील होती है जिस वजह से दर्द अधिक होता है।
10. बॉडी के जिस हिस्से पर चोट और सनबर्न या रूखी त्वचा हो तो वहां वैक्स न ही करवाए तो अच्छा है क्योंकि इससे जलन हो सकती है।
11. कभी भी पहले हॉट वैक्स का इस्तेमाल स्किन पर न करें। वैक्स को थोड़ा घंटा होने दें। फिर इसको बॉडी वैक्स के लिए यूज करें क्योंकि इससे स्किन जल भी सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किंग में रानी मुखर्जी की छोटी मगर दमदार एंट्री

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग को लेकर चर्चा तेजी से हो रही है। सिद्धार्थ आनंद इस फिल्म को बना रहे हैं। फिल्म की कास्टिंग इस समय सुर्खियों में बनी हुई है। शाहरुख खान के अलावा सुहाना खान फिल्म में अहम किरदार में होगी। तो वहीं दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी का नाम फिल्म के लिए सामने आ चुका है। अब बड़ी खबर है कि रानी मुखर्जी की फिल्म का हिस्सा होंगी। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि रानी मुखर्जी शाहरुख खान की फिल्म किंग में लंबा कैमियों करते हुए नजर आएंगी। वह सुहाना खान के मां का रोल निभाएंगी। रोल बहुत छोटा है, लेकिन वह अहम किरदार में होंगी। खबर में दावा किया गया है कि रानी मुखर्जी केवल 5 दिन ही शूटिंग में हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक जब रानी मुखर्जी को यह रोल ऑफर किया गया तो वह इसके लिए तुरंत राजी हो गई। रानी मुखर्जी और शाहरुख खान की जोड़ी पर्दे पर बहुत ही लोकप्रिय हुई है। दोनों अभिनेताओं ने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है। उनकी जोड़ी को दर्शकों ने बहुत पसंद किया है और दोनों अभिनेताओं ने अपनी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

रामायण में काजल की एंट्री

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आई है। पहले से ही फिल्म में रणबीर कपूर यानी राम, साई पल्लवी यानी माता सीता और यश यानी रावण जैसे बड़े सितारे शामिल हैं। अब रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी के किरदार के लिए साउथ सुपरस्टार काजल अग्रवाल को चुना गया है। सूत्रों की मानें तो काजल अग्रवाल को पहले ही फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया है और उन्होंने अपनी शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह खबर उनके फैन्स के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। मंदोदरी एक ऐसी महिला पात्र है जो अपनी बुद्धिमत्ता, विवेक और साहस के लिए जानी जाती है। मेकर्स इस किरदार के लिए एक मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस वाली एक्ट्रेस की तलाश कर रहे थे, और काजल इस भूमिका के लिए एकदम सटीक मानी गईं। काजल अग्रवाल फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे यश के अपोजिट नजर आएंगी। इस नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी को लेकर काफी उत्सुकता है, क्योंकि दोनों ही कलाकार अपने-अपने क्षेत्रों में लोकप्रिय हैं और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। मेकर्स का मानना है कि काजल और यश की जोड़ी मंदोदरी-रावण के रिश्ते को गहराई और भावनात्मक परिपक्वता से पर्दे पर दिखाएगी। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि साक्षी तंवर मंदोदरी का किरदार निभा सकती हैं। हालांकि, अब यह पुष्टि हो गई है कि यह अहम भूमिका काजल अग्रवाल निभाएंगी।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. - 2014

G.D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY) NAAC Accredited with B+ Grade, ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COLLEGE
College Code : 527
Junior College
F.Y.J.C/ S.Y.J.C (Science & Commerce)
Degree College
B. Com • B.A.F • B.Sc.I.T • B.M.S • B.Sc
ADMISSIONS OPEN
Contact Number : 9326346900 / 9326335467
Upper Govind Nagar, Malad (East)